ब्याज मुक्त बैंकिंग

ब्याजमुक्त या इस्लामी बैंकिंग का व्यवहारिक ख़ाका बनाने के सिलसिले में गठित की गयी कमेटी की रिपोर्ट हैदराबाद में 9-12 अगस्त 1991 को आयोजित चौथे फ़िक्ही सेमिनार में पेश हुई। रिपोर्ट में यह बात स्पष्ट की गयी कि जब तक बैंकिंग के मौजूदा क़ानून में संशोधन नहीं किया जाता और बैंकों को व्यापार और व्यवसाय में पूंजी लगाने की इजाज़त नहीं दी जाती तब तक देश में इस्लामी शरीअत के अनुसार व्याजमुक्त बैंक क़ायम नहीं किए जा सकते। इस रिपोट में इण्डियन कंपनीज़ एक्ट और कोआपरेटिव एक्ट के अन्तर्गत इस्लामी वित्तीय संस्थाएं और सहकारी समितियां क़ायम करने का विकल्प पेश किया गया और मुज़रिबत (इकविटी) शिरकत (पार्टनरशिप) और मुराबिहा जैसे इस्लामी तरीक़ों पर वित्तीय संस्थाएं चलाने की सिफ़ारिश की गयी। बैंकों की ऐसी सेवाओं से भी फ़ायदा उठाने का समर्थन किया गया जो ब्याजमुक्त हैं।

रिपोर्ट में एक ऐसी केन्द्रीय संस्था क़ायम करने की राय भी दी गयी जो इस तरह की इस्लामी वित्तीय संस्थाओं को कंट्रौल करे, उनके विश्वसनीय होने का सर्टिफ़िकेट जारी करे और विश्वसनीयता का जायज़ा ले और उन्हें उपयुक्त सलाह दे। यह केन्द्रीय संस्था, एक संस्था की स्थिर पूंजी को दूसरी संस्था के ज़रिए जायज़ कारोबार में लगाने का इंतज़ाम भी करे। इसके साथ ही कमेटी ने राय दी है कि उलमा का एक बोर्ड इस तरह की संस्थाओं द्वारा अपनाए गए तरीक़ों का शरीअत की नज़र से जायज़ा लिया करे और उनका मार्गदर्शन भी करे।

इस (चौथे) सेमिनार में इस रिपोर्ट पर ग़ौर हुआ और निम्न बातें तय की गयीः

1- यह सेमिनार इस रिपोर्ट को एक दस्तावेज़ के तौर पर रिकार्ड में रखने का फ़ैसला करता है, और यह रिपोर्ट पेश करने पर बैंकिंग कमेटी का शुक्रिया अदा करता है।

2- उलमा का एक बोर्ड फ़िक्ह अकेडमी के द्वारा गठित किया जाए जो बैंकिंग से सम्बन्धित हर तरह के सवालों और समस्याओं पर फ़तवा देने को अधिकृत हो और उनका हल शरीअत की रोशनी में पेश करे। इस रिपोर्ट में उठाए गए सवालों पर भी यह बोर्ड ग़ौर करे और उनका शरई हल तलाश करे।

3- बैंकिंग और इस्लामी अर्थशास्त्र के माहिरों पर आधारित एक अन्य बोर्ड भी गठित किया जाए, जो इस्लामी वित्तीय संस्थाओं के विभिन्न प्रारूप तैयार करे और इस्लामी सिद्वांतों पर वित्तीय व्यवस्था को व्यवहारिक बनाने के लिए सुझाव दे।

4- यह तय किया गया कि उलमा के बोर्ड में एक दो बैंकिंग के विशेषज्ञ और विशेषज्ञों के बोर्ड में एक दो उलमा भी रखे जाएं।

☆☆☆